सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, बिहार

प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–**cm-61**
09/02/2016

विकास का लक्ष्य मिशन मोड में काम कर हासिल करने के लिए बिहार विकास मिशन का गठन :– मुख्यमंत्री

पटना 09 फरवरी, 2016 :– मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने आज मुख्यमंत्री सचिवालय के संवाद सभाकक्ष में आयोजित बिहार विकास मिशन के प्रस्तुतीकरण के उपरान्त अपने संबोधन में कहा कि बिहार के लिए अभी बहुत कुछ किया जाना है। बिहार में सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली एवं अन्य कार्यक्रमों में काफी काम हुए हैं लेकिन चुनौतियॉ अभी भी बाकी है और बिहार के विकास को काफी आगे ले जाना है। उन्होंने कहा कि बिहार के लोगों की सरकार से अपेक्षायें काफी है। सरकार जनाकांक्षा को पूरा करने के लिए कृतसंकल्प है। न्याय के साथ विकास के पथ पर राज्य को तेजी से आगे बढ़ाने के लिए सात निश्चय के साथ–साथ सुशासन के कार्यक्रमों को त्वरित गति एवं पारदर्शी तरीके से नई तकनीक की सहायता से इनोवेटिव आइडिया की मदद से मिशन मोड में पूरा किया जाना जरूरी है, इसके लिए विभिन्न विभागों के बीच और अधिक बेहतर समन्वय, त्वरित निर्णय, प्रक्रियाओं के सरलीकरण, आधारभूत संरचनाओं के सुदृढ़ीकरण जैसे महत्वपूर्ण कार्यों की जरूरत है ताकि विकास की गति और तेज हो सके। उन्होंने कहा कि इन्ही उद्देश्यों को ध्यान में रखकर बिहार विकास मिशन की स्थापना की गई है। यह मिशन विभागों को आवश्यक सहायता प्रदान करेगा, जिसके कारण विभाग अपने कार्यों का लक्ष्य और अधिक सुगमता एवं तीव्रता से हासिल कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि यदि किसी काम को करने का दृढ़संकल्प हो और ईमानदार प्रयास हो तो उस लक्ष्य को हासिल करने में आने वाली बाधायें स्वतः दूर हो जाती है। जरूरत है दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ काम करने की। उन्होंने कहा कि बिहार के लोग मेहनती और मेधावी है। यहॉ कृषि के क्षेत्र में अपार संभावनायें हैं। यहॉ का इतिहास काफी प्राचीन और गौरवशाली है। टूरिज्म के क्षेत्र में अपार संभावानायें है। यदि इन चीजों की ब्रांडींग सही तरीके से हो जाय तो यहॉ काफी लोग आयेंगे और आर्थिक तरक्की भी होगी। अनेक वित्तीय संस्थायें भी मदद के लिए आगे आयेंगी, इन सबसे बिहार के विकास में काफी तेजी आयेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नई सरकार मे विभिन्न विभागों की समीक्षा बैठक कर विभागों की समस्याओं एवं प्रगति की जानकारी विस्तारपूर्वक ली गई। विभिन्न बिन्दुओं पर विचार–विमर्श भी हुआ। एक तरफ सरकार के विभागों में कर्मियों की कमी को पूरा करने के लिये नियुक्ति प्रक्रिया में तेजी लाने का निर्देश दिया गया, इसके लिए कैलेण्डर निर्धारित करने, एक ही परीक्षा के माध्यम से प्राप्तांक एवं च्वाईस के आधार पर अलग–अलग सेवाओं में भर्ती करने, तकनीकी सेवा के लिये अलग परीक्षा अयोजित करने आदि उपाय किये जा रहे हैं परन्तु इनके पूरा होने का इतेजार किये बगैर उपलब्ध संसाधनों का बेहतर इस्तेमाल कर विभाग के कामों में बेहतर परिणाम लाने के लिये बिहार विकास मिशन का गठन किया गया। इस मिशन के अर्न्तगत नए इनोवेशन, नए आइडिया, तकनीकी ज्ञान का बेहतर इस्तेमाल कर सात निश्चय एवं सुशासन के कार्यक्रमों को मिशन मोड में पूरा करते हुये बेहतर परिणाम हासिल किया जा सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हर गॉव में गली का पक्कीकरण, नाली का निर्माण, हर घर में शौचालय, पीने का स्वच्छ जल की उपलब्धता, युवाओं के लिये स्टुडेंट क्रेडिट कार्ड, कौशल

विकास, स्वरोजगार भत्ता, जी0ई0आर0 में बढ़ोतरी, उद्योग के क्षेत्र में नई नीति, टूरिज्म के क्षेत्र में नई नीति लाकर प्रदेश की प्रगति के लिये कार्य करना है। उन्होंने कहा कि इस मिशन से विभाग को इन कार्यों में बेहतर परिणाम हासिल होगा। उन्होंने कहा कि विभाग नियम के दायरे में बेहतर परिणाम देने के लिये प्रक्रियाओं का सरलीकरण, विभाग के संसाधनों का पुर्नगठन भी कर सकते हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि अपने–अपने विभाग में अनुश्रवण की व्यवस्था को और कारगर बनायें। इस मिशन से जुड़कर अधिकारी अच्छा अनुभव हासिल करेंगे तथा राज्य के विकास में बेहतर योगदान दे सकेंगे।

बैठक में मुख्य सचिव श्री अंजनी कुमार सिंह ने भी अधिकारियों को संबोधित करते हुये मिशन के लक्ष्यों को हासिल करने का निर्देश दिया। बिहार विकास मिशन की विस्तृत जानकारी पावर प्वाईंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से मुख्यमंत्री के सचिव श्री अतीश चन्द्रा ने किया। आगत अतिथियों का स्वागत मंत्रिमण्डल सचिवालय एवं समन्वय विभाग के प्रधान सचिव श्री ब्रजेश मेहरोत्रा ने किया। बैठक में सभी विभागों के प्रधान सचिव/सचिव मौजूद थे।

******